अभिव्यक्ति - हिंदी वाद-विवाद समिति, कमला नेहरू कॉलेज
वार्षिक रिपोर्ट - सत्र 2025-26

कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की "अभिव्यक्ति" हिंदी वाद-विवाद समिति सत्र 2025 में अपने विविध आयोजनों, विमर्शों और प्रतिस्पर्धाओं के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, विचार अभिव्यक्ति और भाषण कौशल को सशक्त बनाने में निरंतर अग्रसर रही। इस वर्ष समिति ने छह प्रमुख आयोजनों के माध्यम से संवाद, अभिव्यक्ति और तर्कशीलता के नए आयाम स्थापित किए -

(1.) "नव आगंतुक वाद-विवाद प्रतियोगिता" (28 अगस्त 2025)
(2.) "उड़ान" वाद-विवाद प्रतियोगिता (3 सितंबर 2025)
(3.) "अन्वेषण" अंतरमहाविद्यालयीय वाद-विवाद प्रतियोगिता (23 सितंबर 2025)
(4.) BHEL - वाद विवाद प्रतियोगिता (27 अक्टूबर 2025)
(5.) "कार्यशाला" प्रभावशाली डिबेट करने की तकनीक (18 फ़रवरी 2026)
(6.) "मुद्दा 360°" न्यूजरूम वाद विवाद प्रतियोगिता (10 अप्रैल 2026)

इन सभी आयोजनों में समिति की छात्र-नेतृत्व टीम, शिक्षक संयोजकगण, निर्णायक मंडल तथा प्रतिभागियों का समन्वित प्रयास और सृजनात्मक ऊर्जा स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

1. नव आगंतुक वाद-विवाद प्रतियोगिता (28 अगस्त 2025)

नवीन विद्यार्थियों के स्वागत और उनकी अभिव्यक्ति क्षमता को मंच प्रदान करने हेतु "अभिव्यक्ति" समिति ने 28 अगस्त 2025 को कॉलेज के ओल्ड सेमिनार रूम में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य प्रथम वर्ष के छात्रों में आत्मविश्वास, तर्कशक्ति और विचार प्रस्तुति की क्षमता का विकास करना था।
विषय: "ए.आई. युवाओं के व्यक्तित्व विकास में लाभदायक है या नहीं?"
विषय अत्यंत समकालीन और विचारोत्तेजक था, जिससे छात्रों को आधुनिक तकनीकी युग और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन पर विचार करने का अवसर मिला।

आयोजन समिति:
अभिव्यक्ति की अध्यक्ष प्राची और उपाध्यक्ष तनुष्का और सचिव कृषिका के नेतृत्व में संपूर्ण टीम ने प्रतियोगिता के संचालन में अपना पूर्ण योगदान दिया। निर्णायक मंडल में प्रो. सुषमा चौधरी (संस्कृत विभाग), प्रो. संगीता (हिंदी विभाग), प्रो. रजत रानी और प्रो. मनोज कुमार सम्मिलित थे।

परिणाम:

प्रथम पुरस्कार: वैष्णवी (बी.ए. इतिहास विशेष) – ₹1000
द्वितीय पुरस्कार: निधि कुमारी (बी.ए. प्रोग्राम) – ₹600
तृतीय पुरस्कार: प्रियांशी सिंह (बी.ए. इतिहास विशेष) – ₹400
सांत्वना पुरस्कार: देशना (बी.कॉम. विशेष)

निर्णायकों ने छात्रों के वक्तव्यों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास बनाए रखने की प्रेरणा दी। इस आयोजन ने नए विद्यार्थियों को "अभिव्यक्ति" के परिवार से जोड़ने का कार्य किया और कॉलेज में बौद्धिक चर्चा की परंपरा को सशक्त किया।

2. उड़ान - हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता (3 सितंबर 2025)

"राजभाषा कार्यान्वयन समिति" और "अभिव्यक्ति" के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह प्रतियोगिता "उड़ान" शीर्षक से 3 सितंबर 2025 को L-110 कक्ष में संपन्न हुई।
विषय: **"हिंदी भाषा भारतीय जन की अभिव्यक्ति का प्रभावशाली माध्यम है।"**
इस विषय ने छात्रों को अपनी मातृभाषा के सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व पर विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया।

निर्णायक मंडल:
प्रो. मैत्रेयी कुमारी (संस्कृत विभाग)
सुश्री शिल्पी चौधरी (अंग्रेजी विभाग)

दोनों निर्णायकों के मार्गदर्शन और समीक्षात्मक दृष्टिकोण ने प्रतिभागियों को भाषा और अभिव्यक्ति के गहन अर्थों को समझने की प्रेरणा दी। आयोजन का संचालन कृषिका (तृतीय वर्ष) और आमना बेगम (द्वितीय वर्ष) ने किया।

विजेता छात्राएँ:
1. प्रथम स्थान – अंशका आनंद (द्वितीय वर्ष)
2. द्वितीय स्थान – संजना (द्वितीय वर्ष)
3. तृतीय स्थान – आस्था कुमारी (तृतीय वर्ष)

समिति की अध्यक्ष प्राची और उपाध्यक्ष तनुष्का ने निर्णायकों को पौधा भेंट कर सम्मानित किया। पूरे आयोजन में "अभिव्यक्ति" और "राजभाषा कार्यान्वयन समिति" की संयुक्त भावना और टीमवर्क स्पष्ट दिखाई दिया।
यह आयोजन हिंदी भाषा के प्रति विद्यार्थियों में गौरव, संवेदनशीलता और राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने वाला रहा।

3. अन्वेषण - अंतरमहाविद्यालयीय वाद-विवाद प्रतियोगिता (23 सितंबर 2025)

23 सितंबर 2025 को "अभिव्यक्ति" हिंदी वाद-विवाद समिति ने IIT दिल्ली की हिंदी समिति के संयुक्त तत्वावधान में 'अन्वेषण' नामक पारंपरिक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस

प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों से बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन नए और पुराने दोनों सेमिनार कक्षों में किया गया।

प्रारंभिक सत्र:
कॉलेज की प्राचार्या डॉ. पवित्रा भारद्वाज, संयोजक डॉ. रजत रानी, डॉ. मनोज कुमार और निर्णायक मंडल द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। IIT दिल्ली से आए सदस्यों ने अपने वार्षिक महोत्सव और गतिविधियों से प्रतिभागियों को परिचित कराया।

विषय: "महिलाएं भी पितृसत्ता को कायम रखने में सहायक होती हैं।"
यह विषय सामाजिक संरचना, लैंगिक समानता और आत्मालोचना की दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक था। प्रतिभागियों ने इसके पक्ष और विपक्ष में ठोस, तार्किक और संवेदनशील तर्क प्रस्तुत किए।

निर्णायक मंडल:
साक्षी द्विवेदी, दिया सिसोदिया, कुमार तुषार और वैभव बेहल उपस्थित रहे। उन्होंने प्रत्येक वक्ता की बात ध्यानपूर्वक सुनी और प्रतियोगिता के अंत में रचनात्मक सुझाव भी दिए।

विजेता टीम और इंटरजेक्टर पुरस्कार:
सर्वश्रेष्ठ टीम 1: प्रशस्त चौबे और कौस्तुभ (एमआईटी कॉलेज)
सर्वश्रेष्ठ टीम 2: सलोनी (माता सुंदरी कॉलेज) और शेरया शुक्ला (शिवाजी कॉलेज)
सर्वश्रेष्ठ इंटरजेक्टर: कुशाग्र (शहीद भगत सिंह कॉलेज) और अंजली सिंह (मैत्रेयी कॉलेज)

महत्व:
'अन्वेषण' ने कॉलेज स्तर पर हिंदी वाद-विवाद की परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाया। इस आयोजन ने विभिन्न कॉलेजों के छात्रों को एक साझा मंच पर लाकर बौद्धिक संवाद का समृद्ध अवसर प्रदान किया। "अभिव्यक्ति" टीम ने इस बड़े आयोजन को उत्कृष्ट समन्वय और अनुशासन के साथ संपन्न किया, जिससे समिति की पहचान और प्रतिष्ठा दोनों और मजबूत हुई।

4. BHEL - वाद विवाद प्रतियोगिता (27 अक्टूबर 2025)

"अभिव्यक्ति" समिति और क्रॉस फायर सोसाइटी ने संयुक्त रूप से भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) के सहयोग से "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" के अंतर्गत वाद - विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 27 अक्टूबर 2025 को कॉलेज परिसर में आयोजित हुआ।

थीम: "सतर्कता हमारी साझी जिम्मेदारी"
विषय: "व्हिसलब्लोइंग - कर्तव्य या जोखिम?"

मुख्य अतिथि एवं वक्ता:
श्री हरीश कुमार (महाप्रबंधक एवं प्रमुख, सतर्कता, BHEL)
श्री शिवपाल सिंह (भारतीय वन सेवा अधिकारी, 1997 बैच, उत्तर प्रदेश कैडर)

दोनों अतिथियों ने छात्रों को प्रेरित किया कि सतर्कता केवल पद या विभाग का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। इस कार्यक्रम ने शासन-प्रशासन में पारदर्शिता और जिम्मेदारी के मूल्यों को रेखांकित किया। इसके अलावा हमारे कॉलेज की प्रधानाध्यापिका पवित्रा

भरद्वाज मैम भी कार्यक्रम में उपस्थित रही और उन्होंने सभी अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

डॉ. शुभ्रा सिन्हा (इतिहास विभाग) ने कार्यक्रम का मूल्यांकन किया। संचालन डॉ. रजत रानी, प्रो. मनोज कुमार और डॉ. कोमल यादव, प्रो. चाँदनी ने किया।

विजेता प्रतिभागी:
प्रथम स्थान – श्रीजना परकायस्था (मनोविज्ञान ऑनर्स)
द्वितीय स्थान – साक्षी कुमारी (अर्थशास्त्र ऑनर्स)
तृतीय स्थान – श्रुति तपस्वी (भूगोल ऑनर्स)

यह आयोजन विद्यार्थियों में नैतिकता, ईमानदारी और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को गहराई से स्थापित करने वाला सिद्ध हुआ। छात्रों ने उदाहरणों के माध्यम से यह दर्शाया कि व्हिसलब्लोइंग केवल जोखिम नहीं, बल्कि नैतिक साहस का प्रतीक है।

5. कार्यशाला : प्रभावशाली डिबेट करने की तकनीक **(18 फ़रवरी 2025)**

अभिव्यक्ति" हिंदी वाद-विवाद समिति, कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यशाला 18 फरवरी 2026 को कक्ष संख्या L-110 में संपन्न हुआ।

विषय: "प्रभावशाली डिबेट करने की तकनीक"
इस विषय के माध्यम से छात्राओं को वाद-विवाद की प्रभावी शैली, प्रस्तुति कौशल तथा तार्किक अभिव्यक्ति को समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

मुख्य वक्ता:
वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक उपाध्याय

मुख्य वक्ता ने अपने अनुभव के आधार पर प्रभावशाली डिबेट के तीन प्रमुख तर्क प्रस्तुत किए—
• पहला, किसी भी विषय पर बोलने से पूर्व उसका गहन अध्ययन करना आवश्यक है, जिससे विचारों में स्पष्टता और आत्मविश्वास आता है।
• दूसरा, वक्तव्य को भावनात्मक रूप से जोड़कर प्रस्तुत करने से उसका प्रभाव अधिक गहरा और आकर्षक बनता है।
• तीसरा, आत्मविश्वास के साथ मंच पर स्वाभाविक रूप से बोलना चाहिए, जिससे वक्ता की प्रस्तुति अधिक प्रभावी बनती है।

सत्र के दौरान छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका वक्ता ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया। विशेष रूप से डिबेट के लिए प्रभावशाली कंटेंट तैयार करने जैसे विषयों पर उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन अभिव्यक्ति की सदस्य अंशु झा एवं अंशु तिवारी द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। इस सत्र में छात्राओं और समिति के सदस्यों में विशेष उत्साह देखा गया, जिसने पूरे आयोजन को जीवंत और प्रेरणादायक बना दिया।

सत्र के अंत में वक्ता ने छात्राओं को हिंदी साहित्य के प्रमुख लेखकों और कवियों—जैसे प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, शरतचंद्र, धर्मवीर भारती, रामधारी सिंह दिनकर, पाश, नागार्जुन और सर्वेश्वर दयाल सक्सेना—को पढ़ने की सलाह दी, जिससे उनकी अभिव्यक्ति और अधिक समृद्ध हो सके।

अंततः कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें समिति की ओर से मुख्य वक्ता के प्रति आभार व्यक्त किया गया। समिति की संयोजक प्रो. रजत रानी एवं सदस्य प्रो. मनोज कुमार के नेतृत्व में यह सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

6. मुद्दा 360°: न्यूज़रूम वाद-विवाद प्रतियोगिता (10 अप्रैल 2026)

महाविद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव उल्लास 2026 के अंतर्गत “अभिव्यक्ति” समिति द्वारा 10 अप्रैल 2026 को ओल्ड सेमिनार रूम (OSR) में “मुद्दा 360°: न्यूज़रूम वाद-विवाद प्रतियोगिता” का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्राचार्या डॉ. पवित्रा भारद्वाज के सान्निध्य तथा शिक्षक संयोजक प्रो. रजत रानी आर्य के निर्देशन में संपन्न हुआ।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को न्यूज़रूम शैली की कार्यप्रणाली से परिचित कराना तथा समसामयिक विषयों पर उनके तार्किक चिंतन, अभिव्यक्ति कौशल एवं सामाजिक संवेदनशीलता का विकास करना था। प्रतियोगिता टीम-आधारित थी, जिसमें प्रत्येक टीम में तीन सदस्य सम्मिलित थे। प्रतिभागियों ने नारीवाद एवं पर्यावरण जैसे विषयों पर न्यूज़रूम शैली में भूमिका-निर्वहन करते हुए संतुलित एवं प्रभावशाली प्रस्तुति दी।

आयोजन एवं संचालन:
कार्यक्रम का संचालन समिति की कोषाध्यक्ष अभिलाषा एवं सदस्य श्रुति द्वारा किया गया। समिति की अध्यक्ष प्राची झा एवं उपाध्यक्ष तनुष्का के नेतृत्व में संपूर्ण टीम ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

निर्णायक मंडल:
डॉ. मुस्कान (विवेकानंद कॉलेज) एवं महिमा मैम (टाइम्स ऑफ इंडिया)

परिणाम:
प्रथम स्थान – ‘व्यास’ टीम
द्वितीय स्थान – ‘बकैती’ टीम
तृतीय स्थान – ‘पैंथर किंग्स’ टीम
सांत्वना पुरस्कार – ‘वास्तविकता’ टीम

यह आयोजन विद्यार्थियों में समसामयिक मुद्दों के प्रति जागरूकता, तार्किक विश्लेषण एवं अभिव्यक्ति क्षमता को सुदृढ़ करने में सफल रहा।

इस प्रकार सत्र 2025-26 में “अभिव्यक्ति” समिति ने अपने नाम के अनुरूप हर आयोजन को सृजन, संवाद और विवेकशीलता का मंच बनाया। “नव आगंतुक वाद-विवाद” ने नए विद्यार्थियों में आत्मविश्वास जगाया,

“उड़ान” ने हिंदी भाषा की गरिमा को ऊँचाई दी,“अन्वेषण” ने अंतरमहाविद्यालयीय सहयोग को मजबूत किया, और “**BHEL** वाद विवाद प्रतियोगिता ” ने नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को केंद्र में रखा, “कार्यशाला” ने कौशलता से वाद विवाद करने की तकनीक सिखाई , इसके साथ ही अंतिम कार्यक्रम “मुद्दा 360” में नई न्यूज़रूम शैली में रोचक कार्यक्रम आयोजित किया।

इन छह आयोजनों ने मिलकर न केवल “अभिव्यक्ति” समिति की पहचान को सुदृढ़ किया, बल्कि कॉलेज के बौद्धिक और नैतिक परिवेश को भी समृद्ध किया। अंततः, “अभिव्यक्ति” का यह वार्षिक सत्र विद्यार्थियों के विचारों, अभिव्यक्ति और तर्कशीलता के विकास की दिशा में एक प्रेरक अध्याय बन गया।

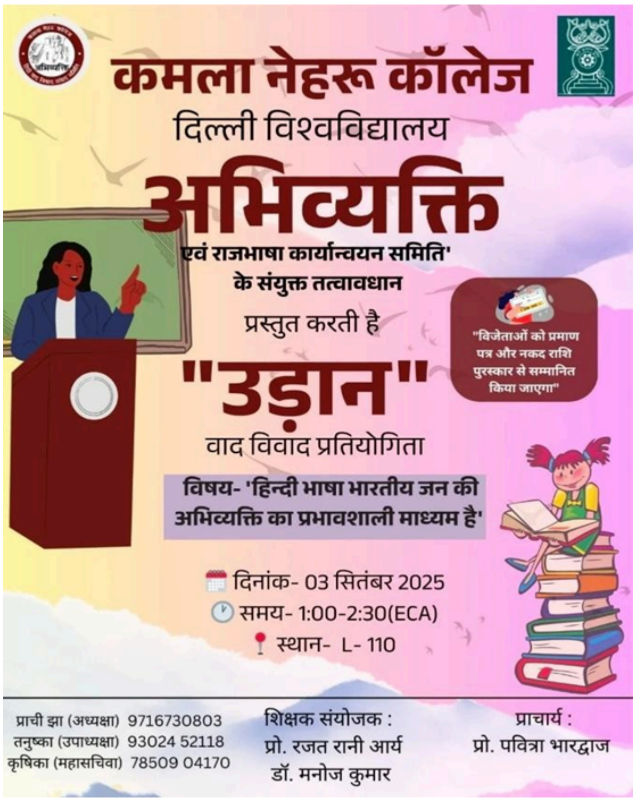

शिक्षक संयोजक
प्रो. रजत रानी आर्य
डॉ. मनोज कुमार (सदस्य)

प्राचार्या
प्रो.पवित्रा भारद्वाज

प्राची झा : 9716730803
तनुष्का : 9302452118
(KNC coordinator)
तन्मय साहू : 9425862467
(IITD coordinator)